Title: Regarding need to set up National Rural Bank of India early − Laid.

श्री सुरेश चन्देल (हमीरपुर): महोदय, देश की ग्रामीण जनता को बैंकिंग सुविधा प्रदान करने की दृटि से दिनांक 2.10.1975 को ग्रामीण बैंकों की स्थापना की गई थी। वर्तमान में देश के विभिन्न राज्यों के 483 जिलों में इनकी 14,475 शाखाएं कार्यरत हैं जिनमें केन्द्र सरकार, कामर्शियल बैंक एवं राज्य सरकारों की क्रमशः 50, 35 एवं 15 प्रतिशत हिस्सेदारी है। हालांकि कम खातेदारी, नियंत्रित व्यवसाय व क्षेत्र के कारण ये बैंक घाटे में चलने के कारण वित्त मंत्रालय ने दिनांक 09.05.1992 को आल इंडिया ग्रामीण बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन के साथ बैठक की तथा दिनांक 28.08.1992 रिजर्व बैंक आफ इंडिया ने वित्त, कृाि एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय के कुछ अधिकारियों तथा 6 पब्लिक सैक्टर के बैंक एवं चेयरमैन नाबार्ड के साथ मीटिंग कर एकमत से यह पाया कि इन बैंकों को मर्ज करके नैशनल रूरल बैंक आफ इंडिया बनाया जाए। वित्त मंत्रालय की स्थाई संसदीय समिति ने भी दिनांक 23.12.1993 को इसी आशय की सिफारिश भारत सरकार से की। मेरा आग्रह है कि सरकार इस बारे में तुरंत कदम उठाए और नैशनल रूरल बैंक इंडिया की शीघ्र स्थापना करे।

(इति)